प्रवाह

दिवस 1 | अंक 1

BharatX PRESENTS

Oasis '22

DEMESNE OF THE LOST GOLD

50TH EDITION | 19TH TO 23RD NOVEMBER

हिन्दी प्रेस क्लब

संपादकीय

एक लंबे अरसे के बाद आज जब मैं लिखने बैठा तो मानों दिमाग में बह रही विचारों की गंगा मेरी कलम के रास्ते कागज़ से जा मिली। इस समय मैंने जो कुछ देखा, सुना और महसूस किया अब वही आपको बताता हूँ। हाँ तो काफ़ी दिनों से बिट्स की हवाओं का रुख कुछ अलग सा लग रहा था। वो कहते हैं न कि "बसंत का अंदाज़ा महकते फूलों से लग जाता है।" तो बस इन हवाओं का रुख भी उस ओर था जहाँ शायद बहुत समय से बयार नही बही थी। सीधे शब्दों में कहा जाये तो सेमेस्टर शुरू होने के साथ ही फेस्ट्स का माहौल भी आरंभ हो गया था। सभी बच्चे अगस्त में कैम्पस आते ही तैयारियों में जुट गये थे। कभी कोई इवेंट्स की योजना बनाने में व्यस्त था तो कोई मुख्य अतिथियों के संपर्क सूत्र खोजने में लगा था।

चारों तरफ़ मस्ती का माहौल था। ये मस्ती की गाड़ी अपनी पूरी रफ़्तार से चल रही थी। हाँ रास्ते में थोड़े ट्युट टेस्ट और क्विज जैसे कंकड़-पत्थर आये लेकिन हमारे बिट्सियन तो अपना "लाइट लो" का नारा गुनगुनाते बॉसम के पहले पड़ाव तक पहुँच गये। अब जिनको नही पता, बॉसम यानी "बिट्स ओपन स्पोर्ट्स मीट।" ये बिट्स का एक स्पोर्ट्स फेस्ट है जिसमें अलग-अलग विश्वविद्यालयों के छात्र आकर अपनी चुनौती पेश करते हैं। बॉसम में आनंद तो बहुत था परंतु ये मज़ा मात्र चार दिन में ही खत्म हो गया और गाड़ी आगे बढ़ी।

लेकिन अबकी बार जो मिडसेम का जाल बिछाया गया उसने हमारी रफ़्तार को जैसे राजधानी एक्प्रेस से बैलगाड़ी में बदल दिया। सभी एक सप्ताह के लिए बस लाइब्रेरी और नैब रूम में ही दिखते थे।

खैर मिडसेम का भूत भी भागा और इसके बाद बिट्सियनस में जिस ऊर्जा का संचालन हुआ उसके तो क्या ही कहने। मात्र दो हफ़्तों के भीतर सारी तैयारियां करनी थी तो सभी कूद पड़े मैदान में। उनके इस उत्साह का कारण था "ओएसिस 2022" जिसका यह पचासवां संस्करण है और वो भी दो साल बाद आयोजित हो रहा है। कमाल की बात तो ये कि बच्चे सारा काम अपनी कुइज़ेस और ट्युट टेस्ट का बोझ साथ में लिए हुए कर रहे थे। जिनसे उन्हें इस वक्त भी निजात नही मिल सकती थी। मगर अंततोगत्वा उनकी मेहनत सफल हुई और ओएसिस का एक शानदार आगाज़ हुआ।

आप सभी का ओएसिस 2022 में एक बार पुनः स्वागत है।

अनुक्रमणिका

- मुख्य अतिथि से साक्षात्कार 3
- ओएसिस- एक सुनहरा सपना 5
- उद्घाटन समारोह 6
- इवेंट्स 7

मुख्य अतिथि, शब्बीर बॉक्सवाला से साक्षात्कार

ओएसिस 2022 के मुख्य अतिथि और भारतीय फ़िल्म जगत के जाने-माने प्रोड्यूसर और लेखक श्री शब्बीर बॉक्सवाला के ओएसिस हिंदी प्रेस से वार्ता के कुछ मुख्य अंश:

1. **जब आपको पता चला कि ओएसिस 2022 के मुख्य अतिथि के रूप में आपको चुना गया तो आपको कैसा महसूस हुआ और यहाँ का अनुभव कैसा रहा?**
मुझे ये काफ़ी रोमांचक लगा था। थोड़ा डर भी था, क्योंकि बिट्स पिलानी का काफी नाम भी सुना था। जब मुझे पता चला कि ये पचासवां संस्करण है और कोविड के कारण ये तीन साल बाद हो रहा है, तो मुझे लगा कि यह मौका नही छोड़ना चाहिए। अभी तक का छोटा सा अनुभव भी काफ़ी अच्छा रहा। कार्यक्रम की प्रस्तुतियाँ भी काफ़ी शानदार थीं।

2. अपने इतने लंबे फ़िल्म जगत के कार्यकाल में आपने क्या-क्या बदलाव महसूस किए और लोगों के साथ आपका कैसा अनुभव रहा?
1990 के दशक में सब एक दूसरे को जानते थे। प्रोड्यूसर्स मिलकर काम करते थे। फ़ोन कॉल पर ही अधिकतर काम हो जाता था, सब एक दूसरे पर भरोसा रखते थे। तब कॉन्ट्रेक्ट और लीगल दस्तावेज़ की जरूरत नहीं पड़ती थी। अभिनेता से लेकर लेखक तक सबका कॉन्ट्रेक्ट पहले ही बन जाता था। आजकल प्रोड्यूसर के लिए अकेले फ़िल्म बनाना काफ़ी मुश्किल हो गया है। फ़िल्म की लागत, उसका जोख़िम, आदि काफ़ी बढ़ गया है, इसलिए अब काफ़ी सोच-समझकर सारे फ़ैसले लेने पड़ते हैं।

3. **अपने करियर की शुरुआत एक लेखक के तौर पर करने से निर्माता बनने तक का सफ़र कैसा रहा ?**
मुझे लिखने की शुरुआत से काफ़ी इच्छा थी। मेरे अंदर के लेखक को जगाने का श्रेय मैं मेरे मित्र राजीव राय को दूंगा, उनके पिता पहले से ही इस इंडस्ट्री में काफ़ी अच्छे पद पर थे। मैं और राजीव उनके सेट्स पर जाया करते थे, लोगों से बातचीत करते थे। उनके कहने पर हमने 'मोहरा' नामक फिल्म पर काम शुरू किया और वह काफ़ी सफल भी हुई। इस फ़िल्म से अक्षय कुमार और सुनील शेट्टी को भी काफ़ी प्रशंसा मिली थी। फ़िर एक बार कारवां शुरू हुआ तो पीछे मुड़कर नहीं देखा।

4. आपके हालिया साक्षात्कार से पता चलता है कि आपकी इच्छा डायरेक्टर बनने की थी पर आप कभी हिम्मत नहीं जुटा पाये। आप अपने अनुभव से भावी डायरेक्टर्स को क्या सीख देना चाहेंगे?
डायरेक्टर का काफ़ी विशिष्ट काम होता है। किसी को अपनी कहानी सुनाने के लिए काफ़ी अलग तरह की कला चाहिए होती है। किसी को लिखकर समझाना मुझे अच्छा आता है। इसलिए मुझे अपने लिए लिखना ही अच्छा लगा। लेकिन अपवाद हमेशा मिलते हैं, कई लोग बिना फ़िल्म स्कूल जाए भी काफ़ी अच्छे डायरेक्टर की भूमिका निभाते हैं। अंत में आप पर निर्भर करता है कि आप अपनी कहानी कैसे सुनाते हैं।

5. बॉलीवुड के हालिया रुझान को देखते हुए आप के लिए फ़िल्म में बड़े सितारे या एक अच्छी कहानी क्या अधिक महत्वपूर्ण है?

एक फ़िल्म के सफल होने के लिए सबसे ज़रूरी एक अच्छी स्क्रिप्ट है। कहानी ही फ़िल्म की नींव होती है। आजकल फ़िल्म लेखन से ज़्यादा अभिनेताओं पर ध्यान केंद्रित होता है, उनकी डेट्स मिलते ही पूरी फ़िल्म को जल्द से जल्द पूरा करने का प्रयास करते हैं। कहानी पर ज्यादा ध्यान न देने के कारण आजकल काफ़ी फ़िल्में फ़्लॉप भी हो रही हैं। नए विचारों की कमी को खत्म करने के लिए हमें लेखन पर भी ध्यान देना चाहिए। बॉलीवुड में लेखक को इतना महत्व नहीं दिया जाता है जो की हमें बदलना होगा।

6. आपको कैप्टेन विक्रम बत्रा की कहानी शेर शाह बनाने की प्रेरणा कहाँ से मिली?

विक्रम बत्रा काफ़ी बहादुर और साहसी व्यक्ति थे। आजकल बड़े शहरों में लोग सेना के बारे में इतना नहीं जानते हैं। मेरे एक दोस्त ने मुझे विक्रम बत्रा की कहानी सुनाई थी जो मुझे काफ़ी अच्छी लगी। जब मैंने इसपर और कहानी पढ़ी, इंटरनेट पर देखा तो मुझे ये काफ़ी प्रेरणावान लगी। एक व्यक्ति ने 24 की उम्र में इतना सब कर लिया। देश के लिए सबसे बड़ा त्याग दिया। जब मैंने उनके परिवार, दोस्तों, पड़ोसी, आदि लोगों से बात की तो महसूस हुआ की उनकी पूरी जिंदगी पर एक बहुत अच्छी फ़िल्म बन सकती है।

7. बॉलीवुड मैं पहले सीक्वल फ़िल्मो का चलन था । फिर डाक्यूमेंट्री का हुआ फिर वापस सीक्वल का चलन शुरू हुआ है इसपर आपकी क्या राय है?

सीक्वल तब ही आता है जब पहला पार्ट काफ़ी सफल हो। सीक्वल बनाने के लिए काफ़ी अच्छा कंटेंट भी चाहिए होता हैं जो पिछले सीक्वल से मेल खाता हो। एक अच्छी फ़िल्म के लिए अच्छी रूपरेखा होनी चाहिए जो दर्शकों से मिलती हुई हो, फिर चाहें वो सीक्वल हो या डॉक्यूमेंट्री।

8. आपके अनुसार OTT का फ़िल्म इंडस्ट्री पर क्या प्रभाव रहा?

OTT ने फ़िल्म इंडस्ट्री को बदला नहीं है बल्कि लोगों को और मौके दिए हैं। इसने नए लोगों को अपने विचार और रचनात्मकता को पेश करने के मौके दिए हैं, जो बॉलीवुड में नहीं हो सकता था। इससे नए अभिनेता, लेखक और डायरेक्टर्स को भी मौका मिला है।

9. अंत में आप हम सब को क्या प्रेरणा देना चाहेंगे?

जो भी तुम्हारा सपना है उसको खुलकर जियो अगर अपने अंदर दबाकर रखोगे तो कभी दूसरा मौका नहीं मिलेगा।

ओएसिस- एक सुनहरा सपना

रेगिस्तान की चिलचालाती गर्मी में, मेरी जिजीविषा बढ़ी जा रही थी। पसीने और प्यास की वजह से यह इच्छा बढ़ी जा रही थी। आँखों के सामने अंधेरा छा ही रहा था, तभी मुझे दूर में “ओएसिस” की रोशनी दिखाई दी। यह देखकर मेरा मन में एक नयी स्फूर्ति जाग उठी। एक पल के लिए ऐसा लगा यह मेरा भ्रम तो नहीं परन्तु प्यास से व्याकुल होकर, मैं उसकी ओर भाग उठा। जैसे-जैसे मैं उसके पास जाता गया, वैसे वैसे मेरे मन में प्रसन्नता बढ़ती ही जा रही थी। ओएसिस के पास पहुँचते ही, मुझे पुनर्जन्म का एहसास हुआ। मैंने बिना कुछ सोचे, हाथों में पानी लिया। पानी को देखते ही मैं चकित रह गया और मन में सिर्फ एक ही प्रश्न था “आखिर यह पानी सोने के रंग का कैसे हो सकता है”? मैंने इसे अपना भ्रम मानते हुए दुबारा अपने हाथों में पानी लिया, परन्तु यह फिर सोने के रंग का था। भय और असमंजस से भरी हुई, मैं इधर उधर देखने लगा। मुझे पास के झाड़ियों से कुछ आवाजें आ रही थी और मैं उसके तरफ आगे बढ़ने लगी। झाड़ियों के पास आते आते आवाजें बढ़ती चली गयी। झाड़ियों के पास पहुँचते, मैंने देखा एक सुन्दर मृग वहाँ मौजूद है।

मुझे कुछ सोचने का मौका मिलता ही कि मेरा पैर फिसला और मैं पानी में जा गिरा। व्याकुल होकर मैं पानी में हाथ-पैर चलाने लगा परन्तु यह सारे प्रयास व्यर्थ रहे। ऐसा लग रहा था कि पानी की गहराई मुझे खींचे ही जा रही है। मेरी सारी ताकत और आत्मबल ने पराजय स्वीकार कर ली थी। तभी मुझे गहराई में एक रोशिनी दिखी, मुझे लगा की यह मेरे जीवन का अंत है। परन्तु, आँखों सामने जो था वो देखकर मैं काफी चकित हो गया। आँखों के सामने देखा कि “बिट्स ओएसिस” कि दृश्य तैर रहे थे। बिट्स उद्घाटन, अन्ताख, अमित त्रिवेदी जैसे दृश्य दिखाई दे रहे थे। मुझे कुछ समझ ही नहीं आ रहा था और चकित करने वाली बात यह थी कि मुझे पानी के अंदर पसीना आ रहा था। तभी मैंने पलटकर देखा और मुझे दर्द का एहसास हुआ, मैंने आँखें और देखा कि मैं कमरे की जमीन पर हूँ।

कुछ समझ पाटा कि दरवाजे पर खट-खट की आवाज़ आई। मैंने आधी नींद में दरवाज़ा खोला और अपने दोस्त को पाया। दोस्त ने कहा “कितनी देर सोएगा? जल्दी चल ओएसिस उद्घाटन के लिए देरी हो रही है।” मैंने धीरे से स्वर में हाँ.. कर दिया और फिर से सो गया।

उद्घाटन समारोह

कोविड के दो साल के सूखे के बाद अंततः ओएसिस 2022 का शुभारंभ हुआ। शुरुआत हुई सभी के चहेते म्यूजिक क्लब की प्रस्तुति के साथ सांस्कृतिक वेशभूषा और पाश्चात्य संगीत के समावेश ने तो मानो समा ही बाँध दिया। इसी बीच आगमन हुआ उप कुलपति जी तथा AUGSD डीन महोदय का। इन्हीं के साथ मुख्य अतिथि महोदय ने भी अपनी उपस्तिथि दर्ज़ कराई, सभी छात्रों ने खड़े होकर इन तीनों का अभिवादन किया। तत्पश्चात एंकर महोदय ने ए डी पी क्लब द्वारा लगायी गयी विभिन्न कलाकृतियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी जिनमें सभागार के मुख्य द्वार के बाहर लगी मूर्ती आकर्षण का मुख्य केंद्र रही।

इसके बाद सिलसिला चालू हुआ StuCCA के सदस्यों के हास्यास्पद परिचय का। एक-एक कर के सभी सदस्यों पर तंज कसे जाने के बाद अब समय था ओएसिस की आधिकारिक शुरुआत का। मुख्य अतिथि महोदय श्री शब्बीर बॉक्सवाला ने दीप प्रज्ज्वलन कर ओएसिस का आधिकारिक आगाज़ किया। उप कुलपति महोदय ने बाहर से आये सभी छात्र-छात्राओं का स्वागत किया तथा उन्होंने बिट्स का महिमा मंडन करते हुए कहा कि बिट्सियनस आपको कब अचंभित व मोहित कर देंगे आपको पता भी नहीं चलेगा अपनी बात में वज़न डालते हुए उन्होंने बिट्स के छात्रों के कुल 35 बिलियन डालर मूल्य के यूनिकोर्न के बारे में भी अवगत कराया। वाणी को विराम देते हुए उन्होंने बिट्स के छात्रों को Play hard, Enjoy hard का नारा दिया एवं अपना स्थान ग्रहण किया। उसके बाद मंच की कमान सँभालते हुए मुख्य अतिथि महोदय ने बिट्स के वार्षिकोत्सव का हिस्सा बनने के साथ जुड़े विशेषाधिकार एवं सम्मान के बारे में विस्तार से अपने विचार रखे। श्री बॉक्सवाला ने फिल्मों से जुड़े महत्व को उजागर करते हुए कहा कि फिल्में हमारे जीवन में हर्षोल्लास तथा निजता को बनाये रखती हैं। अब छात्र संघ के मुख्य सचिव ने समय का सम्मान करते हुए अपने वक्तव्य को छोटा ही रखते हुए सभी आगंतुकों का स्वागत किया और सभी को नियमबद्ध आचरण करने की नसीहत दी।

इसके बाद StuCCA के सदस्यों ने उप कुलपति जी तथा मुख्य अतिथि जी को गुलदस्ता भेंट कर उनका सम्मान किया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए माइम क्लब ने नीओन लाइट्स के माध्यम से अपनी प्रस्तुति दी। उसके बाद उनका करियर और विवाह की तुलनात्मक प्रस्तुति वाला कार्यक्रम, समारोह का मुख्य बिंदु रहा। इसी क्रम में माईम क्लब ने परीक्षा के दौरान छात्रों की मनोस्तिथि का मंचन करते हुए ख़ूब तालियाँ बटोरीं। क्योंकि ओएसिस एक सांस्कृतिक कार्यक्रम है तो उसमें डांस क्लब का होना तो लाज़मी है। तो दर्शकों की आशाओं का सम्मान करते हुए DC ने एक से बढ़कर एक शानदार प्रस्तुतियाँ दीं जिनमें घूमर एवं कपल डांस ने जमकर वाह-वाही लूटी। गाँधी भवन 137 की कहानी को पुनर्जीवित करते हुए माइम क्लब ने समारोह को अपने अंजाम तक पहुँचाया।

DAY 0

मेट्रिक्स क्लब के द्वारा ओएसिस '22 की प्रथम रात्रि को रोटुंडा पर मूवी स्क्रीनिंग का आयोजन किया गया। मेट्रिक्स के समन्वयक अनीश हतुआ ने ओएसिस हिंदी प्रेस से कार्यक्रम सम्बन्धी जानकारी साझा की। अनीश के अनुसार मेट्रिक्स हमेशा से ही सिनेमा, कला व साहित्य को एकसार करने के लिए जाना जाता रहा है। और इस आयोजन में भी वह अपनी इसी परंपरा को कायम रखते हुए हिंदी व अंग्रेजी दोनों भाषाओं में प्रसारण कर रहा है। अंग्रेजी फिल्म "EVERYTHING EVERYWHERE ALL AT ONCE" के प्रसारण के लिए दर्शकों में अत्यधिक उत्साह देखा गया। फिल्म के प्रस्तावित समय से पूर्व ही दर्शकों ने रोटुंडा को गुंजायमान कर दिया। स्क्रीनिंग की शुरुआत से ठीक पहले तकनीकी कठिनाई के कारण कुछ लोगों में निराशा भी देखी गई। फिल्म के रोमांचक विषयवस्तु जिसमें एक चीनी महिला सामानांतर ब्रह्मांड के रोचक सफर पर निकलकर कैसे अपने आप के विभिन्न चरित्रों को जोड़ती है, ने लोगों को अंत तक बांधे रखा। फिल्म समाप्त होने के बाद भी कई दर्शक फिल्म के दुविधापूर्ण व रोचक अंत का अर्थ समझने का प्रयास करते पाए गए। एक प्रत्यक्षदर्शी युवा के अनुसार मेट्रिक्स क्लब की इस आनंदित प्रस्तुति के पश्चात युवाओं की ओएसिस से आशाएं बढ़ चुकी हैं और वे सकरात्मक रूप से अगले चार दिनों का पूर्ण आनंद लेने के लिए तत्पर हैं।

"QUIZ" - एक ऐसा शब्द है जिसे सुनकर किसी भी बिट्स के छात्र की रूह कांप जाती है, और वे कोने में रखी किताबों से धूल झाड़ने को दौड़ जाते हैं। लेकिन ओएसिस 2022 की शुरुआत E.L.A.S. द्वारा आयोजित रोमांचक ' "ट्रैवल ऐंड लिविंग" QUIZ के साथ हुई। इसका आयोजन प्रख्यात QUIZMASTER श्री आर्यप्रिय गांगूली जी द्वारा हुआ। QUIZMASTER जी अपने ज्ञान के भण्डार से देश - दुनिया के कई दिलचस्प विषयों में से सवाल बनाये थे। इसमें इतिहास , भूगोल , क्रिकेट और यहाँ तक कि बॉलीवुड की प्रसिद्ध फ़िल्म शोले से भी सवाल पूछे गए। E.L.A.S. द्वारा आयोजित किये गए इस प्रतियोगिता में भाग लेने वालों में खूब उत्साह था और वेह जोश के साथ सभी सवालों का जवाब सोच रहे थे । QUIZ के पहले ROUND का रूप कुछ इस प्रकार था - सभी प्रतिभागी अकेले या दो लोगों की जोड़ी बनाकर भाग ले सकते थे , और प्रत्येक जोड़ी को उत्तर लिखने के लिए कागज़ प्रदान की थी। QUIZMASTER द्वारा पूछे गए 25 दिलचस्प सवाल , जिन का उत्तर देश - दुनिया का कोई एक शहर था। हर सवाल के साथ जुड़ा हुआ चित्र था और PROJECTOR के द्वारा वह सवाल सभी प्रतिभागियों को दिखाया जाता। पूरे हॉल में उत्साह का माहौल था और प्रतिभागी तत्परता से भाग ले रहे थे। प्रतिभागियों के अनुरोध पर, QUIZMASTER जी ने उस सवाल पर और जानकारियाँ दीं। फिर सभी उत्तर पत्रिकायों की जांच हुई और अगले ROUND का प्रारंभ हुआ। 'ट्रैवल एंड लिविंग QUIZ' ज्ञान के शौकीनों के लिए एक बहुत ही रोचक प्रतियोगिता थी और जिसमें प्रतिभागियों ने ज्ञान की बहती गंगा में गोते लगाकर अपनी विद्या को समृद्ध बनाया।

मुख्य अंश

50TH ओएसिस के भव्य उद्घाटन के बाद, इवेंट्स का शुरूआत H.A.S. द्वारा “अंतक” के साथ हुआ। इसका उद्देश्य बॉलीवुड गीतों पर निर्धारित QUIZ से लोगों का मनोरंजन करना था। रात्रि 11:30 बजे शुरू हुए इस इवेंट में दो राऊंड हुए। ELIMINATION राऊंड के बाद MAIN राऊंड था। खेल के नियम के अनुसार प्रतिभागी ELIMINATION राऊंड को पार करके MAIN राऊंड का हिस्सा बन सकते थे। परंतु प्रतिभागियों की बेसब्री देखकर आयोजकों ने दोनों राऊंड को क्रम में करने का निर्णय किया और इसके उपरांत उत्तर तालिका को जांचने का निर्णय लिया। दोनों राऊंडों में चार भाग थे। हर भाग में चार प्रश्न थे। पहले भाग का नाम ‘धुन’ था। इसमें प्रतियोगियों को गाने की धुन को सुनकर नाम लिखना था। इस भाग को मजेदार बनाने के लिए हर धुन के साथ एक बिलकुल ही अलग विडियो चलाया गया था। दूसरे भाग का नाम ‘अंतरा’ था। इसमें प्रतिभागियों को गीत के अंग्रेजी अनुवाद से गानों की पहचान करनी थी। तीसरा भाग ‘PICTIONARY’ हुआ जिसमें गीत कपहचान गाने से ठीक पहले आनेवाले मूवी SCENE के जरिए करना था। आखरी भाग ‘THEME’ था और इसमें प्रोजेक्टर में लिखी गई सुरागों से गीत की पहचान करनी थी। धीरे धीरे प्रश्नों का स्तर बढ़ता गया परंतु प्रतिभागियों के उत्साह में बिलकुल कमी नहीं आई। गीतों से सज़ी इस आयोजन ने प्रतिभागियों के लिए फेस्ट की शुरुवात रंगीन कर दी।

उद्घाटन समारोह की रात ही एस्ट्रो क्लब ने FD3 पर नाईट वाच नामक शो का आयोजन करवाया। इस शो का आकर्षण का केंद्र CASSERGRAIN टेलिस्कोप रहा। सर्वप्रथम इस टेलिस्कोप की सहायता से जुपिटर, फिर नेबुला मार्स तारामंडल, और अंत में चाँद दिखाया। इस टेलिस्कोप का इतिहास 150 से भी अधिक वर्षों का है। यह टेलिस्कोप विभिन्न राजाओं के बाद बिरला जी से होते हुए एस्ट्रो क्लब के पास पहुंचा है। क्लब सदस्य लेज़र लाइट की मदद से लोगों को रात्रि आकाश, अंतरिक्ष और तारामंडल की जानकारियों से भरी कहानियां साझा करते हुए दिखाई पड़े। इन सबके अतिरिक्त एक एस्ट्रो फोटोग्राफी काउंटर जहां पर आमजन को अपने फ़ोन की सहायता से आकाशीय पिंड की तस्वीर लेना सिखाया गया। साथ ही ब्रह्माण्ड विज्ञान के ऊपर 50 मिनट की डॉक्यूमेंट्री भी दिखाई गई। दूरबीन और वर हेडसेट की मदद से भी आकाश गंगा दिखाई गयी। 1100+ लोगों के पंजीकरण के साथ लोगों के बीच देर रात तक उत्साह देखने को मिला है।

BharatX
edvanza
Srishti Creating Bestsellers
Irusu
SayF
tikkl
tortoise
Ksheer
itspl Broadband
Gustora
sparx GO FOR IT
91 NINETY ONE
Coca-Cola
BOMBAY SHAVING COMPANY
TATA MOTORS Connecting Aspirations

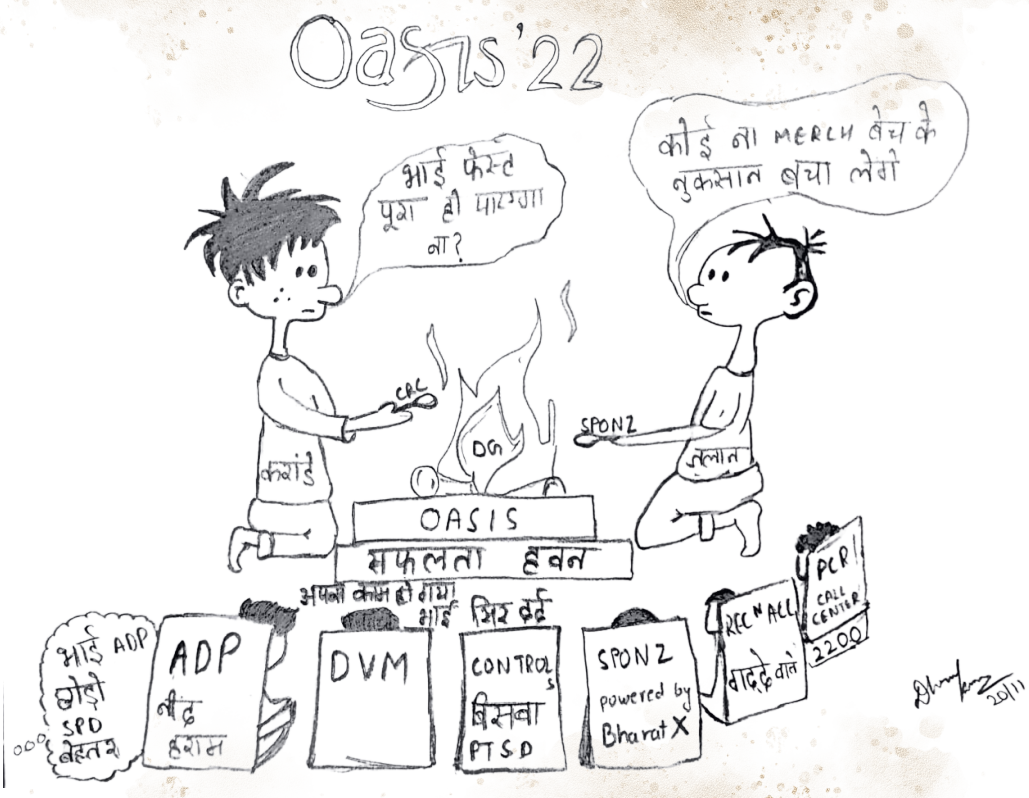

ओएसिस हिन्दी प्रेस

हार्दिक, संस्कार, लाम्बा, शाल्मली, परीश्री

ऋत्विक, आर्यमन, सर्वेश, जैनम, देव, आकाश, आरुषी, आर्ची, निशिका, भव्य, हिमांशी, आदित्य

अमृत, मल्लिका, सर्वाक्ष, वैष्णवी, विदित, पुलकित, कामरा, अनुज, अवि, सार्थ, अक्षय

हर्ष, रिया, दिवाकर, अभिन्नशीश, हर्षवर्धन, कौस्तुभ, नमः, कविश, वीरेंदर, भाविनी, राहुल